Research Chronicler, International Multidisciplinary Refereed Peer Reviewed Indexed Research Journal
ISSN: Print: 2347-5021 www.research-chronicler.com ISSN: Online: 2347-503X

सीबीएसई बोर्ड व उत्तराखण्ड बोर्ड के विद्यार्थियों के संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन

Manoj Kumar

Asst. Professor, Shri Guru Nanak Dev PG College, Nanakmatta Sahib, Udham Singh Nagar, (Uttarakhand) India

सारांश

प्रस्तुत शोध कार्य उत्तराखंड राज्य के उधम सिंह नगर जिले में संचालित उत्तराखंड बोर्ड एवं सीबीएसई बोर्ड के विद्यार्थियों के संवेगात्मक बुद्धि का पता लगाना है। अध्ययन के उद्देश्यो को ध्यान में रखते हुए दसवीं और बारहवीं के छात्रों का या दृच्छिक विधि (लॉटरी विधि)से किया गया है। आंकड़ों को एकत्र करने के लिए डॉ सिन्हा एवं अरोरा (1982)द्वारा निर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया प्रदत्तों का विश्लेषण कर उसका प्रतिशत किया गया। अध्ययन के निष्कर्ष में पाया गया कि दसवीं व बारहवीं में अध्ययन सीबीएसई एवम उत्तराखंड बोर्ड के छात्रों में महत्वपूर्ण अंतर पाया जाता है।

मुख्य शब्द- सीबीएसई बोर्ड, उत्तराखंड बोर्ड, संवेगात्मक बुद्धि।

प्रस्तावना-

किसी भी राष्ट्र के निर्माण के लिये शिक्षा सर्वोत्तम साधन है। इसके बिना किसी राष्ट्र की कल्पना भी नहीं की जा सकती। शिक्षा एक ऐसा आधार हैं, जिस पर किसी देश की प्रगति निर्भर करती है। भारत में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवम प्रत्येक राज्यों में राज्य बोर्ड कि स्थापना की गई है।

उद्देश्य-

1. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवम उत्तराखंड बोर्ड कि छात्रों के संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन करना।
2. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं उत्तराखंड बोर्ड के विज्ञान एवं कला वर्ग के छात्रों का अध्ययन करना।

संबंधित साहित्य का सर्वेक्षण-

भारत में विद्यालयी शिक्षा को सुधारने हेतु CBSE Board एवं प्रत्येक राज्य में राज्य बोर्ड की स्थापना की गयी हैं। सीबीएसई बोर्ड भारत की स्कूली शिक्षा का एक प्रमुख बोर्ड हैं। भारत के अंदर और बाहर के बहुत से निजी विद्यालय इससे संबंध हैं। इसका प्रमुख उद्देश्य शिक्षा संस्थानों को अधिक प्रभावशाली ढंग से लाभ पहुंचाना है। यह बोर्ड वर्ष 1952 में, सामुदायिक केंद्र पारित बिहार दिल्ली में स्थापित हैं। इसके अध्यक्ष मनोज आहूजा (IAS) हैं।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड उन सभी छात्रों की शैक्षिक आवश्यकताओ के प्रति उत्तरदायी हैं जिनके माता पिता केंद्र सरकार मे कार्यरत हैं तथा उसकी नौकरी अक्सर स्थानांतरित होती हैं। इस बोर्ड का अधिकार क्षेत्र व्यापक है, वर्ष 1962 में मात्र 309 विद्यालय से 31-03-2007 तक 8979 विद्यालय बोर्ड से संबंध हैं। इनमें कुल

897 केन्द्रीय विद्यालय, 1761 सरकारी विद्यालय, 5827 स्वतन्त्र विद्यालय, 480 जवाहर नवोदय विद्यालय, 14 केन्द्रीय तिब्बती विद्यालय सम्मिलित थे,वर्तमान में लगभग 24000 से अधिक विद्यालय इससे संबंध है।

इसके अलावा प्रत्येक राज्य में राज्य बोर्ड स्थापित हैं। उत्तराखंड राज्य में उत्तराखंड बोर्ड विद्यालयी शिक्षा में गति प्रदान करने का कार्य कर रहा है। इस बोर्ड की स्थापना वर्ष-2001 में हुई थ, और इसका मुख्यालय रामनगर मे है। वर्तमान मे 10000 से अधिक स्कूल बोर्ड से संबंद्ध है। यह बोर्ड हर साल 3 लाख से अधिक परीक्षार्थियों के लिए 1300 से अधिक परीक्षा केन्द्र स्थापित करता है। इस बोर्ड का गठन 22 सितंबर 2001 में किया गया, इसके अध्यक्ष'राकेश कुमार कुवर'है।

व्यक्ति के मानसिक विकास में संवेगो का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान होता है। सही संवेगात्मक स्थिति होने से मानसिक स्वास्थ्य भी सही होता है। साथ ही साथ उसकी मानसिक शक्तियां एवं क्षमताए अधिक सक्रियता से कार्यकर ने मे सहयोग करती है।

1. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवम उत्तराखण्ड बोर्ड की छात्रों का संवेगात्मक बुद्धि समान है।
2. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं उत्तराखंड बोर्ड के विज्ञान व कला वर्ग के बालकों के संवेगात्मक बुद्धि में अन्तर होता है।

शोध बिधि-

- प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग हुआ है।
- न्यादर्श- प्रस्तुत शोध में उत्तराखण्ड बोर्ड एवं सीबीएसई बोर्ड के 300 छात्रों को सम्मिलित किया गया है। न्यादर्श के चुनाव के लिए लाटरी बिधि का प्रयोग हुआ है।
- उपकरण- संवेगात्मक बुद्धि मापनी- श्री अनुकूल हायड (इंदौर), श्री संजोत पेठे(अहमदाबाद), श्री उपिन्दरधर (अहमदाबाद), प्रकाशन वर्ष-1971.

विश्लेषण परिकल्पना-

उद्देश्य 1- केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं उत्तराखंड बोर्ड के छात्रों के संवेगात्मक वृद्धि का अध्ययन करना।

परिकल्पना-1- केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं उत्तराखंड बोर्ड के छात्रों का संवेगात्मक वृद्धि समानहै।

अध्ययन की परिकल्पना-

संवेगात्मक वृद्धि	उच्च		औसत		निम्न		TOTAL	
	UK	CBSE	UK	CBSE	UK	CBSE	UK	CBSE
%	20 %	40 %	50 %	43.33 %	30 %	16.66 %	100 %	100 %
TOTAL	30	60	75	65	45	25	150	150

परिणाम की व्याख्या- उपरोक्त अध्ययन संवेगात्मक बुद्धि का मापन करने के लिए 300 विद्यार्थियों का चयन कर उसका प्रतिशत निकाला गया। विश्लेषण से यह पता चला कि उत्तराखण्ड बोर्ड व सीबीएसई बोर्ड के विद्यार्थियों का संवेदनात्मक बुद्धि क्रमशः उच्च- 20%(30) व 40%(60) तथा औसत- 50%(75) व 43.33%(65), और निम्न- 30%(45) व 16.66%(25) हैं।

निष्कर्ष- परिणामों से प्राप्त प्रतिशत से यह पता चलता है कि उत्तराखंड बोर्ड एवम सीबीएसई बोर्ड के छात्रों का संवेगात्मक बुद्धि समान नहीं है। अतः परिकल्पना H1 अस्वीकार की जाती है।

उद्देश्य-2- केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं उत्तराखंड बोर्ड के विज्ञान एवं कला वर्ग के छात्रों के संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन करना।

परिकल्पना-2- केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं उत्तराखण्ड बोर्ड के विज्ञान एवं कला वर्ग के बालकों के संवेगात्मक बुद्धि में अन्तर होता है।

संवेगात्मक वृद्धि	उच्च		औसत		निम्न		TOTAL	
	ARTS	SCIENCE	ARTS	SCIENCE	ARTS	SCIENCE	ARTS	SCIENCE
%	20%	36.15%	54.11%	46.92 %	25 %	24.61 %	100%	100 %
TOTAL	34	47	92	61	44	32	170	130

परिणाम की व्याख्या- उपरोक्त अध्ययन में संवेगात्मक बुद्धि के मापन के लिए 300 विद्यार्थियों का चयन कर उसका प्रतिशत निकाला गया।विश्लेषण से यह पता चला कि विज्ञान एवं कला वर्ग कि बालकों का संघात्मक बुद्धि क्रमशःउच्च- 20%(34) व 36.15%(47), औसत- 54.11%(92) व 46.92%(61) और निम्न- 25%(44) व 24.61%(32) है।

निष्कर्ष- परिणामों से प्राप्त प्रतिशत से यह पता चलता है कि कला व विज्ञान वर्ग केछात्रों का संवेगात्मक बुद्धि में एक विशिष्ट अंतर होता है। अतः परिकल्पना H2 स्वीकार की जाती हैं।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- **Saxena, N.R.S**.; Chaturvady, S.; Kumar, D. 2012. Teacher in Emergency Indian Society. R. Lal Book Depot.
- **Sharma, R.A. 2011.** Teacher Educational and Training Technology. . R. Lal Book Depot.
- **Yadav, S. 2010.** Development of Learner and Teaching Learning Process. Sharda Pustak Bhandar
- **Sharma, R.A. 2014.** Education Reaseach. . R. Lal Book Depot.
- **Wikipedia. 2021.** www.wikipedia.com